RAJYA SABHA

Thursday, the 15th December, 2005/24 Agrahayana, 1927 (Saka)

The House met at eleven of the clock.

[MR. CHAIRMAN in the Chair.]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Roads damaged due to floods in Mumbai

*321. SHRI TARIQ ANWAR:††

SHRIMATI HEMA MALINI:

Will the Minister of SHIPPING, ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS be pleased to state:

(a) whether following the recent unprecedented floods in Mumbai, the State Government of Maharashtra has sought any special technical and other aid from his Ministry for speedy upgrading and reconstruction of roads and bridges in Mumbai;

(b) if so, the details thereof; and

(c) Government's response thereto?

THE MINISTER OF SHIPPING, ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS (SHRI T.R. BAALU): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise.

श्री तारिक अनवर: सभापति महोदय, मंत्री जी ने उत्तर देने में काफी कंजूसी से काम लिया है।

श्री सभापति: आप भी सप्लिमेंटरी में कंजूसी से ही काम लो। ...(व्यवधान)... जवाब भी कम देना पड़ेगा इनको। ...(व्यवधान)...

श्री तारिक अनवर: नहीं, मुझे इसमें कोई एतराज नहीं है। अगर उन्होंने मेरा जवाब नहीं दिया तो कोई बात नहीं, लेकिन कम-से-कम इनको हेमा मालिनी जी का तो ख्याल रखना चाहिए था। ...(व्यवधान)...

---

†† The question was actually asked on the floor of the House by Shri Tariq Anwar.

सभापति महोदय, सभी लोग जानते हैं कि हमारे देश की अर्थ-व्यवस्था में महाराष्ट्र का क्या योगदान है। वहां फ्लड आने के बाद जो स्थिति हुई, वहां के नेशनल हाईवे का जो नुकसान हुआ, उससे सभी अवगत हैं। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि वहां सड़कों और पुलों का जो नुकसान हुआ है, उसकी जानकारी उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से प्राप्त की है या नहीं। दूसरे, सड़कों का जो भी नुकसान हुआ है, उनकी मरम्मत करने के लिए, उनका रिपेयर करने के लिए, री-कन्स्ट्रक्शन के लिए महाराष्ट्र सरकार ने जो आर्थिक सहायता, ग्रांट मांगा है? उसमें कहां तक मंत्री महोदय ने सहायता की है, उसकी जानकारी विस्तार से दें।

SHRI T.R. BAALU: Sir, first of all, I am not a miser. Actually, I have got a broad heart, not only for my friend, but also for the entire nation, including Mumbai. At the same time, we do have the same problem. I have got a very small kitty of Rs. 50 crores, as far as road repairs are concerned. The Planning Commission has spared only Rs. 50 crores. If we ask for another Rs. 50 crores, they may provide. Now, we appreciate that there are a lot of problems that Mumbai has faced on the 26th of July. More than 944 millimetres of rain has fallen. (*Interruptions*) We understand that. But, at the same time, there is a scheme of things. Within that scheme of things, the expenditure on damage control and other such things could be met by the Central Government. These particular roads, which my friend has mentioned, are within the city of Mumbai.

SHRI TARIQ ANWAR: No, no. I am asking about Maharashtra as a whole.

श्री सभापति: एक मिनट।

SHRI T.R. BAALU: Sir, the questioner has mentioned about Mumbai city. Within the Mumbai City Corporation limits, we do not have any jurisdiction at all. The roads within those limits have to be taken care of by the Mumbai City Corporation only. As far as FDR is concerned, we do not have any say. We could not spend. Even if they asked for it, we could not spend. At the same time, I have not received any report or any such thing from that particular State.

श्री तारिक अनवर: सभापति महोदय, यह एक आम बात है कि यह केवल महाराष्ट्र या मुम्बई तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश के पैमाने पर नेशनल हाईवे का जो रख-रखाव है, उसमें कहीं-न-कहीं कुछ त्रुटि है। चाहे वह ड्रेनेज का मामला हो या उसका मेंटेनेंस हो। उसका मेंटेनेंस जिस ढंग से होना चाहिए, उस ढंग से नहीं हो रहा है। जहां कहीं भी बारिश होती है, कहीं

छोटा-सा भी फ्लड आता है, तो उसका असर पूरे देश के पैमाने पर नेशनल हाइवे पर पड़ता है। हम यह जानना चाहेंगे कि उसके रख-रखाव के लिए, उसकी मजबूतीकरण के लिए इनके मंत्रालय की ओर से क्या कदम उठाये जा रहे हैं?

श्री सभापति: ठीक है।

SHRI T.R. BAALU: Sir, about 1539 kms. of National Highways have been damaged during that particular flood. The amount of Rs. 32.11 crores which the State Government has asked for is under examination. We will definitely consider this case and whatever is possible will definitely be extended to that particular State.

SHRIMATI HEMA MALINI: Sir, part (a) of my supplementary is this. We all know that for any calamity there is a provision. There is the Calamity Relief Fund, the National Fund for Calamity Relief, National Calamity Contingency Fund. If the amount of Rs. 500 crores of the NCCF is for the whole of Maharashtra, as declared by the Prime Minister, I don't think sufficient funds would be available for Mumbai roads and bridges. What is the Government going to do to have sufficient funds in this regard? Sir, part (b) of my supplementary is this. The concrete roads last longer, save fuel, witnstand extreme of calamity and are also pollution free. I want to know from the hon. Minister whether the Government of India would advice and help the Maharashtra Government to construct concrete roads and provide finance for this project.

SHRI T.R. BAALU: Sir, Mumbai city is part and parcel of Mumbai City Corporation. I don't have any say at all in this regard. My jurisdiction is only on the National Highways, not on the municipal roads.

श्री दत्ता मेघे: सभापति जी, प्रधानमंत्री जी ने एक हजार करोड़ इसमें दिए थे और महाराष्ट्र गवर्नमेंट ने उसे खर्च भी किया है, लेकिन आज भी महाराष्ट्र में हाइवे की हालत बहुत खराब है। माना मुम्बई का क्वैश्चन है, लेकिन पूरा हाइवे इस फ्लड से इतना खराब हुआ है कि लोग आजकल हाइवे से नहीं जा रहे हैं, दूसरे रूट से जा रहे हैं। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि महाराष्ट्र के जो हाइवे खराब हुए हैं, उसके लिए क्या कोई खास प्रोविजन करके आप वहां के लिए कुछ करने वाले हैं? वह पैसा तो दिया और उसके लिए प्राइम मिनिस्टर साहब का अभिनंदन किया, लेकिन पूरा हाइवे बहुत खराब है, रोज एक्सीडेंट्स हो रहे हैं। वैसे महाराष्ट्र के जो हाइवे हैं, उसके बारे में आपके डिपार्टमेंट से आप क्या कुछ करने वाले हैं?

SHRI T.R. BAALU: Sir, actually, I also share the concern of every

Member of this House. But, at the same time, if it fits within my scheme of things, definitely, I will do it. I am very sorry.

श्री संजय राजाराम राउत: सभापति महोदय, प्रधानमंत्री जी यहां बैठे हैं। मुंबई को शंघाई बनाने की बात प्रधानमंत्री जी ने कही है और फाइनेन्स मिनिस्टर साहब तो कहते हैं कि मुम्बई को इंटरनेशनल फाइनेन्सियल हब का सेंटर बनाएंगे। चूंकि मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है, मैं माननीय मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि being the economic capital of India, in Mumbai, there has been a steady increase in population over the years, and the direct impact of this has been on roads, as there is an increasing flow of traffic. Sir, I want to know from the hon. Minister whether there is any programme for upgradation of roads in cities like Mumbai.

SHRI T.R. BAALU: Sir, this is only a suggestion. I cannot answer it.

श्री वंसत चव्हाण: सभापति जी, मुंबई की हालत ऐसी है कि रास्ते में खड्डे हैं या खड्डे में रास्ते हैं, मुंबई में यह पहचानना बड़ा मुश्किल हो रहा है। इस बाढ़ के बाद सेंटर की एक टीम मुंबई पहुंची थी और उसने अपनी रिपोर्ट तैयार की है। उस रिपोर्ट में उन्होंने मुंबई की ड्रेनेज के लिए एक हजार करोड़ रुपए मांगे, क्योंकि वहां यह पानी रास्तों पर आता है और रास्ते खराब हो जाते हैं। उन्होंने नए चैनल्स के लिए 1800 करोड़ रुपए मांगे हैं, ताकि नए रास्ते बनाने से यह पुराने रास्ते ठीक हो सकें और अपग्रेडेशन ऑफ रोड्स का भी सवाल है। यह सब रिपोर्ट सरकार के पास आ चुकी है। फिर यह कहना कि राज्य सरकार ने इसके बारे में हमसे कुछ नहीं कहा है, हमें कुछ नहीं बताया है, यह ठीक नहीं है। आपकी सेंटर की टीम खुद वहां गई थी, जिसमें हम भी पहुंचे थे, जिसने अपनी रिपोर्ट भी आपको दी है, क्या उस रिपोर्ट के तहत आप कुछ नहीं करेंगे?

श्री संजय राजाराम राउत: सर, मंत्री जी के पास कोई उत्तर नहीं है। ...(**व्यवधान**)... प्रधानमंत्री जी वहां बैठे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : ठीक है, बैठिए। मंत्री जी बोल रहे हैं।

SHRI T.R. BAALU: Sir, if it is a question of constructing a storm water drain or anything within the domain of the National Highways, definitely, I will consider it.

श्री दत्ता मेघे: सर, मुंबई के बारे में प्रधानमंत्री जी कुछ बोलें। ...(**व्यवधान**)... प्रधानमंत्री जी वहां गए हैं, उन्हें कुछ तो बोलना चाहिए। ...(**व्यवधान**)

श्री सभापति: पहले मंत्री महोदय को तो बोलने दो।

श्री दत्ता मेघे: नहीं साहब, उनको मालूम नहीं है। ...(**व्यवधान**)

श्री सभापतिः उनको मालूम है। डा॰ अलेक्जेण्डर। ...(व्यवधान)... Please take your seat. ...(*Interruptions*)... आप बैठिए, बैठिए। Please take your seat. आप बैठिए। आपके ही महाराष्ट्र के मेम्बर बोल रहे हैं।

DR. P.C. ALEXANDER: Sir, the hon. Minister's reply has been very disappointing to us because technically he may be correct in saying that maintenance of roads within Mumbai is within Mumbai Corporation's jurisdiction. And that these are the responsibilities of the Mumbai Corporation. But even talking about the highways which fall within his responsibility, there are many damages in each of the highways and bridges which connect Mumbai with the rest of the country. I wish he had given a more detailed reply, a more sympathetic reply saying that he would examine the needs of Mumbai, particularly with reference to the highways which connect Mumbai; and then assured us that to the extent possible he himself would take up the initiative of getting additional funds beyond the 'limited Budget' which he is carrying.

SHRI T.R. BAALU: Sir, ten National Highways have been damaged to the length of 1539 kms. National Highway 3 — 62 kms, National Highway 6 — 234 kms, National Highway 9 — 196.6 kms, National Highway 13 — 10 kms, National Highway 17 — 475.21 kms, National Highway 50 — 71.7 kms, National Highway 69 — 17.3 kms, National Highway 204 — 96.8 kms, National Highway 211 — 90.4 kms, National Highway 222 — 285.44 kms. All together, 1539.45 kms. This particular State will definitely be taken care of. I have received an estimate of Rs. 32.11 crores. Definitely, this will be considered within the ambit of reasonability.

SHRI SHARAD ANANTRAO JOSHI: Mr. Chairman, Sir, there are a number of complaints that the vehicles got damaged and the plant and machinery got damaged, the insurance claims are not being paid on the grounds that the damage was caused due to the condition of roads or, otherwise, the maintenance of the environment over there. Does the Government have any instruction to give to the insurance companies on this subject?

SHRI T. R. BAALU: Sir, it is a tough subject matter to be dealt with by me.